classmate

Date ______

Page ______

Text Book Analyse Report

Text-Book

आज की शिक्षा प्रणाली पाठ्य पुस्तक पर आधारित है। पाठ्य पुस्तक समूची शिक्षा प्रणाली को नियोजित व व्यवस्थित बनाए रखती है। परन्तु भाषा को शिक्षा में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। लोकोक्तियाँ व मुहावरे का प्रयोग सीखने व सिखाने में इनकी मदद ली गई है। पाठ्य पुस्तक Teaching का मूल आधार है। पाठ्य पुस्तक के आधार जानकारी का भण्डार है। जिससे छात्र इसे अपने-2 तरीके से उपयोग कर सकते है।

3.2 Importance of Text-Book

1. Text Book के माध्यम से अध्यापक Teaching process अच्छे से करवा सकते है।

2. इसके द्वारा अध्यापक उद्देश्य पूर्ति कर सकता है।
3. इसके द्वारा बच्चे में पढ़ने की रूचि बढ़ती है।
4. बच्चे कक्षा से जाने से पहले अध्यापक उसे एक बार पढ़ कर तैयारी कर सकता है।
5. Text Book से सारी जानकारी एक जगह से मिलती है।

3.3 Text-Book

पाठ्य-पुस्तक में संकलित विषय-वस्तु (भाषा सम्बन्धी ज्ञान दिया जाता है। पाठ्य पुस्तकों में कार्य सफलता से कठिनता की ओर होना चाहिए। पाठ्य पुस्तकों में कार्य सरलता से कठिनता की ओर होना चाहिए। Text Book बातों में भाषा सम्बन्धी विकास के अनुरूप विकसित होनी चाहिए। उचित परिणाम या अनुपात की दृष्टि से विषय वस्तु इतनी होनी चाहिए कि पूरे शिक्षण सत्र में

आसानी से पूरी की जा सके।

3.4 Text Book Language

सभी पाठ्य-पुस्तको की भाषा शुद्ध और सरल होनी चाहिए।

2. छोटे-2 वाक्यो का प्रयोग करना चाहिए।
3. भाषा व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध होनी चाहिए।
4. गहन अध्ययन की पाठ्य पुस्तको में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पाठ में छात्रो को कुछ नवीन शब्दो का परिचय प्राप्त हो।

3.5 Genre

1. पाठ्य पुस्तको की लेखन सामग्री पाठ्य पुस्तक को आकर्षक बनाने में सहायक होनी चाहिए

2. शैली मे माधुर्य व प्रसाद गुण हो।

3. शैली पाठ्य पुस्तक के अनुरूप हो। इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि शैली पाठ्य पुस्तक सामग्री का समुचित ज्ञान प्राप्त करने में सहायक हो।

3.6 Content Matter Grammer Material

शब्दो की व्याख्या के साथ-2 पाठ में आए नवीन शब्दो की टिप्पणी देकर व्याख्या करनी चाहिए

2. पाठ मे पारिभाषित शब्दो को स्पष्ट करना चाहिए।

3. प्रत्येक पाठ व कविता के आरम्भ में लेखक व कवि का नाम होना चाहिए।

3.7 Picture

बच्चे चित्र देखने में बहुत पाठ में विषय वस्तु से सम्बन्धित

रंगीन चित्र होने चाहिए।

3.8 Exercise

प्रत्येक पाठ के अन्त में अभ्यास करने के लिए विभिन्न प्रश्न होने चाहिए।

3.9 Index

पाठ्य पुस्तक के आरम्भ में विषय-सूची दी जानी चाहिए। जिससे पाठ का शीर्षक लेखक व पाठ ढूंढने में परेशानी ना हो।

3.10 Black Board

हिन्दी भाषा अनुदेशन सबसे उपयोगी श्यामपट्ट है। जिसका उपयोग प्राचीन काल से शिक्षक करते आ रहे हैं। यदि स्कूल में किसी कक्षा

में श्यामपट्ट नहीं है। तो उसे शिक्षण कक्षा नहीं कह सकते अतः प्रत्येक अध्यापक को इसका प्रयोग करना चाहिए लिखने से पहले श्यामपट्ट साफ कर लेना चाहिए।

3.11 Real Material chart, Picture and Map

हिन्दी भाषा की पुस्तकों में प्रायः सभी भाषाओं से सम्बन्धित रचना होती है। इन सभी रचनाओं को पढ़ाते समय विषय वस्तु के अनुसार चित्र, रेखाचित्र पदार्थ का प्रयोग करके विषय वस्तु को सरल रूप दिया जा सकता है। परन्तु सामग्री छात्रों के अनुरूप होनी चाहिए।

Sound

1. Gramfone शिक्षण प्रक्रिया में आधुनिक श्रव्य उपकरण में सबसे सरल सस्ता साधन है। मौखिक कौशल की शिक्षा एवं अभ्यास के लिए यह साधन बहुत उपयोगी है।

2. Radio श्रव्य साधनों में यह ज्यादा उपयोगी साधन है। आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम अपना विशेष स्थान रखते है।

Audio Video Visual Aids

T.V यह ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहाँ से सभी बच्चो को ठीक दिखाई दे

रहा हो। T.V एक English शब्द है। टेलीविजन का अर्थ दूर विजन देखना अर्थात दूर से देखना।

2. Computer शिक्षा अधिगम एवं अनुदेशक के क्षेत्र में कम्प्यूटर का प्रयोग अति आधुनिक उपदेशात्मक सामग्री का प्रयोग करना है।

1. यह T.V और चलचित्र का संयुक्त रूप है।
2. स्कूल पाठ्यक्रम का कोई ऐसा विषय नहीं है जिसके अनुदेशक हेतु कम्प्यूटर का भली भांति प्रयोग नहीं किया जा सकता।

Conclusion

Govt Girls Primary School गाँव बाजपुर पर बच्चो को शिक्षा दी जाती है। यहां पर

सभी बच्चो को अनुशासन सिखाया जाता है। यहाँ पर बहुत सी सुविधाएँ भी है। ताकि बच्चे अच्छी तरह पढ़ सके। पाठशाला में सभी बच्चो को नैतिक शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। ताकि वह अच्छे नागरिक बन सके। उनमें आदर की भावना विकसित हो सके।